२. संख्याज्ञान

तीन अंकवाली संख्याएँ : पुनरावर्तन

◆ निम्नलिखित प्रश्नों को हल करो ।

१. [१], [२], [३], [४], [५], [६], [७], [८], [९], [0] इनमें से कुछ अंककार्डों का उपयोग करके तीन अंक वाली दस संख्याएँ तैयार करो तथा उन्हें पढ़ो । (ध्यान दो कि सैकड़े के स्थान पर अंक 0 न लिया जाए ।)

२. नीचे दी गई संख्याएँ अक्षरों में लिखो ।

(१) ३२५ (२) ५४९ (३) ६६७ (४) ७८२ (५) ८९0 (६) ४0१

३. नीचे दी गई संख्याएँ अंकों में लिखो ।

(१) एक सौ दो (२) तीन सौ बीस (३) पाँच सौ सड़सठ

(४) चार सौ पैंतालीस (५) नौ सौ निन्यानवे (६) सात सौ छप्पन

४. क्रम से अगली संख्याएँ लिखो ।

(१) ३९९, ☐, ☐, ☐

(२) २00, ☐, ☐, ☐

(३) ५९७, ☐, ☐, ☐

५. क्रम से पिछली संख्याएँ लिखो ।

(१) ☐, ☐, ☐, ६00

(२) ☐, ☐, ☐, ३६९

(३) ☐, ☐, ☐, २९९

चार अंकवाली संख्याएँ

विभिन्न प्रतीक (चिह्न)	संख्याएँ	संख्या का वाचन
	१000	एक हजार
	४000	चार हजार
	२0१२	दो हजार बारह
	२२0३	दो हजार दो सौ तीन
	१0१0	एक हजार दस
	१00१	एक हजार एक
	२३१४	दो हजार तीन सौ चौदह

◆ प्रतीकों को ध्यान से देखो । संख्याएँ लिखो और पढ़ो ।

(१)

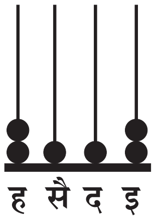

(२)

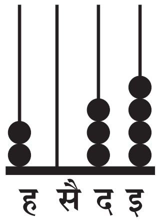

(३)

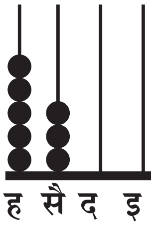

(४)

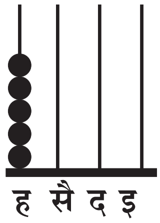

(५)

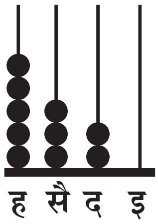

(६)

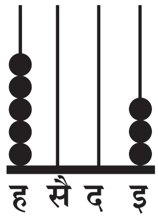

अक्षरों में दी गई संख्याओं का अंकों में लेखन

(१) चार हजार अट्ठाईस : ४०२८

हजार के खाने में ४ लिखेंगे । बाद में सैकड़े, दहाई तथा इकाईवाले खानों में भी अंक लिखने चाहिए । दी गई संख्या में सैकड़ा नहीं है । अतः उस खाने में शून्य लिखा । अट्ठाईस में २ दहाई तथा ८ इकाई हैं । अतः दहाई के खाने में २ तथा इकाई के खाने में ८ लिखे हैं ।

(२) पाँच हजार तीन सौ नौ : ५३०९

इस संख्या में हजार के खाने में ५, सैकड़े के खाने में ३ है । दहाई नहीं है । अतः दहाई के खाने में ० लिखेंगे । इकाई के खाने में ९ लिखेंगे ।

चार अंकवाली संख्या लिखते समय पहले हजार के स्थानवाला अंक लिखकर बाद में सैकड़े, दहाई तथा इकाई के स्थानों पर क्रम से ० से ९ में से सही अंक लिखना चाहिए ।

स्वाध्याय

१. दी गई संख्याएँ अंकों में लिखो ।

संख्याएँ (अक्षरों में)	ह	सै	द	इ
(१) चार हजार पाँच				
(२) पाँच हजार सत्रह				
(३) सात हजार तीन सौ तेरह				
(४) आठ हजार				
(५) नौ हजार नौ सौ निन्यानवे				

२. नीचे दी गई संख्याओं का वाचन करो ।

१००१	२००२	४००४	५०५१	३०६७	७०३८	९०००
१०१०	२०२०	४०४०	५१०५	३६०७	७३०८	९००९
११००	२२००	४४००	५१५०	३६७०	७०८३	९०९०
			५५०१	३०७६	७८३०	९९००

३. नीचे दी गई संख्याओं का वाचन करो । उन्हें अक्षरों में लिखो ।

१२३५	२३४१	३५०७	४११५	५०४५	६७८७	७८९०	८८८८	९००७

४. प्रत्येक अंक का एक बार उपयोग करके चार अंकवाली पाँच-पाँच संख्याएँ लिखो और पढ़ो ।

२, ३, ६, ७

५, ८, ०, ९

५. संख्यापट्टी पर इकाई के स्थान का अंक, दहाई के स्थान का अंक, सैकड़े के स्थान का अंक तथा हजार के स्थान का अंक बदलकर चार अंकवाली संख्याएँ तैयार करो और उनका वाचन करो ।

ह	सै	द	इ
३	०	२	५

ह	सै	द	इ
१	४	२	६

पाँच अंकवाली संख्याएँ : परिचय

रेश्मा : चार अंकवाली सबसे बड़ी संख्या कौन-सी है ?

सचिन : नौ हजार नौ सौ निन्यानवे !

नरगिस : उसके बाद आनेवाली (अगली) संख्या कौन-सी है ?

शिक्षिका : करके ही देखेंगे । यह ज्ञात है कि संख्या में एक जोड़ने पर अगली संलग्न संख्या मिलती है ।
अब खड़े विन्यास द्‌वारा जोड़ ९९९९ + १ ज्ञात करेंगे ।
९ इकाई + १ इकाई मिलकर १० इकाई होता है ।
इनसे १ दहाई (हासिल के रूप में) तैयार होता है ।
इसे दहाई के खाने में लिखेंगे । ९ द + १ द मिलाकर १० द और उनसे १ सैकड़ा (हासिल के रूप में) तैयार होता है ।
इसे सैकड़े के खाने में लिखेंगे ।
९ सै + १ सै मिलाकर १० सैकड़ा
१० सैकड़ों का १ हजार । यह १ हजार, हजार के खाने में लिखेंगे ।

दह	ह	सै	द	इ
	१	१	१	
	९	९	९	९
+				१
१	०	०	०	०

हजार के खाने में ९ + १ अर्थात १० आया । अतः यह संख्या दस हजार है । यह दस हजार एकत्र करके उसे 'दस हजार' बोलेंगे । इसके लिए हजार के बाईं ओर एक नए स्थान का निर्माण करेंगे । उसे 'दह' नाम देंगे ।

पाँच अंकवाली संख्याओं का वाचन तथा लेखन

◆ नीचे दी गई पाँच अंकवाली संख्या ध्यान से देखो ।

दह	ह	सै	द	इ
१	३	५	७	८

इस संख्या का वाचन 'एक दस हजार, तीन हजार, पाँच सौ अठहत्तर' ऐसा भी कर सकते हैं परंतु सुविधा के लिए इस संख्या का वाचन तेरह हजार पाँच सौ अठहत्तर करते हैं । अतः वाचन करते समय 'दह' तथा 'ह'स्थानों को एक साथ मिलाकर पढ़ते हैं ।

◆ नीचे दी गई संख्याओं का वाचन करो और उन्हें अक्षरों में लिखो ।

२०,००० = बीस हजार   ६८,००० = ...   ७९,००० = ...

८०,००० = ...   ५४,००० = ...   ९९,००० = ...

◆ प्रतीकों को ध्यान से देखो । तैयार होने वाली संख्याओं का वाचन करो और अक्षरों में लिखो ।

(१)

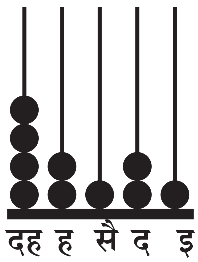

४२,१२१ = बयालीस हजार एक सौ इक्कीस

(२)

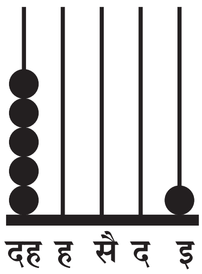

५०,००१ = पचास हजार एक

(३)

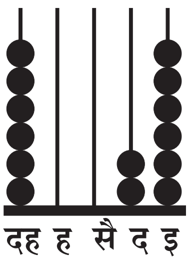

६०,०२६ = ...

(४)

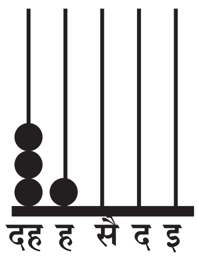

३१,००० = ...

अक्षरों में दी गई संख्याओं का अंकों में लेखन

(१) बासठ हजार सैंतीस : ६२,०३७ ।

६२ ह = ६० ह + २ ह । इसका अर्थ यह है कि इसमें ६ दह तथा २ ह हैं । इस संख्या में सैकड़ा नहीं है । अतः सैकड़े के खाने में शून्य लिखेंगे । दहाई तथा इकाई के स्थान पर क्रमशः २ तथा ७ लिखेंगे ।

(२) सत्तर हजार दो सौ छह : ७०,२०६

७० हजार का अर्थ है कि इसमें ७ दह हैं । इसके अतिरिक्त इस संख्या में और कोई हजार नहीं है । दहाई भी नहीं हैं । अतः हजार तथा दहाई के खानों में ० लिखेंगे । इकाई में ६ लिखेंगे ।

(३) तीस हजार एक : ३०,००१

इसमें ३० हजार अर्थात ३ दह हैं । इसके अतिरिक्त संख्या में और कोई हजार, सैकड़ा अथवा दहाई नहीं है । अतः उन खानों में शून्य लिखेंगे । इकाई में १ लिखेंगे ।

स्वाध्याय

१. नीचे अक्षरों में दी गई संख्याएँ अंकों में लिखो ।

(१) चालीस हजार (२) पचास हजार पचास (३) बारह हजार तीन सौ तेरह

(४) पैंतालीस हजार तीन (५) तेईस हजार एक सौ पाँच (६) अड़सठ हजार पाँच

२. संख्याओं का वाचन करो और उन्हें अक्षरों में लिखो ।

(१) ५२,०४५ (२) २३,४०९ (३) ४५,६००

(४) ४१,००० (५) ९९,९९९ (६) ९५,७६८

३. संलग्न संख्यापट्टी पर इकाई, दहाई, सैकड़े, हजार तथा दसहजार स्थान के अंक बदलकर पाँच संख्याएँ लिखो तथा उनका वाचन करो ।

दह	ह	सै	द	इ
२	३	४	१	१

४. ९, ५, ६, १, ८ में से प्रत्येक अंक का केवल एक बार उपयोग करके पाँच अंकवाली छह संख्याएँ लिखो ।

५. १, ५, ६, ४, ७ इन अंकों का उपयोग करके सबसे बड़ी संख्या लिखो ।

६. ४, ३, ९, ८, ७ इन अंकों को बढ़ते और घटते क्रम में लिखकर दो संख्याएँ लिखो ।

७. ६, ०, ७, ५, ४ में से अंक ७ को इकाई के स्थान पर लेकर पाँच संख्याएँ तैयार करो तथा लिखो ।

८. ४, ९, ३, ५, १ में से सबसे छोटा अंक इकाई के स्थान पर लेकर पाँच संख्याएँ लिखो ।

संख्या का विस्तारित रूप

हमीद : क्या संख्या ५,३२४ को जोड़ के रूप में अथवा विस्तारित रूप में लिख सकते हैं ?

शिक्षिका : हम तीन अंकवाली संख्या को विस्तारित रूप में लिखना सीख चुके हैं । ठीक उसी प्रकार हम चार अथवा पाँच अंकवाली संख्याओं का भी विस्तारित रूप लिखेंगे ।

शरद : ५,३२४ का अर्थ है ५ हजार, ३ सैकड़ा , २ दहाई तथा ४ इकाई ।

मेरी : अत: ५,३२४ का विस्तारित रूप ५००० + ३०० + २० + ४ है ।

शिक्षिका : इसी प्रकार पाँच अंकवाली संख्या २३,३७५ को विस्तारित रूप में लिखो ।

शरद : २३,३७५ का अर्थ है २ दह, ३ ह, ३ सै, ७ द तथा ५ इ का विस्तारित रूप २०,००० + ३,००० + ३०० + ७० + ५ है ।

स्वाध्याय

१. नीचे दी गई संख्याओं को उनके विस्तारित रूप में लिखो ।

(१) ७,५४५ (२) ४,०५० (३) ६५,१०० (४) ८,००० (५) १२,७४५

(६) ७८,९९९ (७) ९,३९२ (८) ५०,१०५ (९) ७०,४९५ (१०) ८२,७२७

२. नीचे दिए गए विस्तारित रूपों के आधार पर संख्याएँ लिखो ।

(१) ३,००० + २०० + ५० +७ = ३२५७ (२) १०,००० + ५,००० + १ = ☐

(३) ४००० + ५०० + १० + ३ = ☐ (४) २०,००० + ३०० + ४० + ५ = ☐

(५) ७,००० + ८० + ३ = ☐ (६) ९०,००० + ९० + २ = ☐

३. नीचे अंक तथा उनके स्थान दिए गए हैं, उनके आधार पर संख्याएँ तैयार करो और उन्हें लिखो ।

जैसे, ५ दह, २ ह, ३ सै, २ द, १ इ = ५२,३२१ ; ९ सै, ८ दह, ५ इ = ८०९०५

(१) ७ इ, २ द, ५ दह, ९ ह (२) ३ सै, ४ ह, ५ द, १ दह

(३) ५ द, ८ ह, ७ दह (४) ५ ह, ७ दह, ३ सै, २ द, ४ इ

स्थानीय मान

शिक्षिका : आओ आज हम एक खेल खेलें । मैं एक संख्या बोलूँगी । तुम्हें उस संख्या का विस्तारित रूप बताना है । संख्या : ५५,५५५

ध्रुव : ५०,००० + ५,००० + ५०० + ५० + ५

प्रियांका : संख्या में सभी स्थानों पर अंक ५ ही है परंतु प्रत्येक अंक का मान अलग-अलग है ।

शिक्षिका : किसी संख्या में अंक का स्थान ही उस अंक का स्थानीय मान निर्धारित करता है । संख्या ३७,८४२ के प्रत्येक अंक का स्थानीय मान बताओ ।

ध्रुव : मैं बताता हूँ । ३ दह का अर्थ है ३ दस हजार अर्थात ३०,०००, ७ ह का अर्थ है ७०००, ८ सै का अर्थ है ८००, ४ द का अर्थ है ४०, तथा २ इ का अर्थ है २ ।

स्वाध्याय

नीचे दी गई प्रत्येक संख्या के अधोरेखित अंक का स्थानीय मान लिखो ।

(१) १,९९९ (२) २,३४५ (३) २,००० (४) ४,८३५

(५) ३,७४९ (६) २७,८५९ (७) ६७,७७७ (८) ५६,७०८ (९) ३०,०५०

मोड़पट्टी की सहायता से संख्या का विस्तारित रूप ।

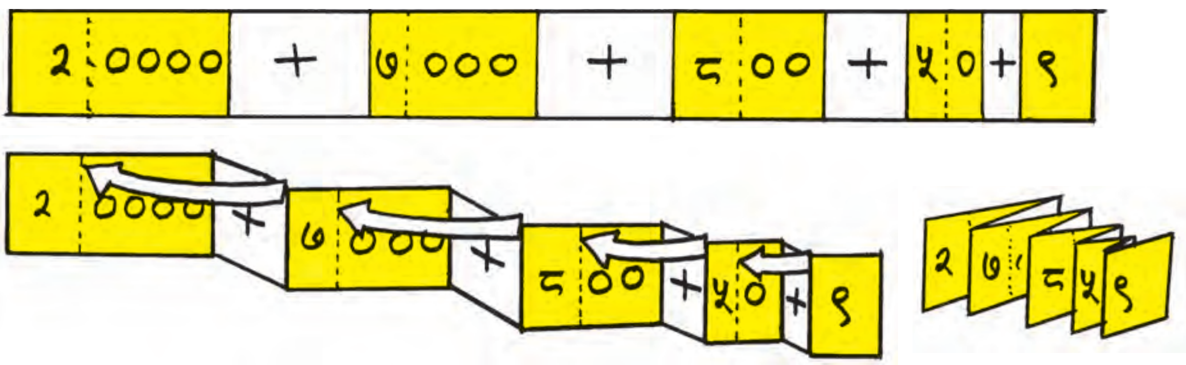

✍ **ध्यान में रखो :** तीन, चार या पाँच अंकवाली संख्या का वाचन करते समय, सर्वप्रथम अधिक स्थानीय मानवाले अंकों का वाचन करते हैं और बाद में कम स्थानीय मानवाले अंकों का वाचन क्रम से करते हैं ।

संख्यांकों के अलग-अलग (विभिन्न) अर्थ

शिक्षिका : संख्या 'एक सौ पच्चीस' को हम अंकों में '१२५' के रूप में लिखते हैं । अत: '१२५', संख्या 'एक सौ पच्चीस' के लिए उपयोग में लाया गया एक चिह्न है परंतु इस चिह्न के अलग-अलग अर्थ होते हैं ।

गौरी : एक ही चिह्न के अलग अर्थ ! ऐसा कैसे ?

शिक्षिका : गौरी, मानो कि तुम्हें अपनी सहेली को १२५ रुपये देने हैं और तुम्हारे पास केवल १ रुपये के बहुत-से सिक्के हैं तो तुम उन्हें कैसे दोगी ?

गौरी : मैं एक रुपये के १२५ सिक्के दूँगी ।

शिक्षिका : अत: संख्यांक १२५ का अर्थ १२५ इकाई जैसा होगा ।
सुधीर, मानो कि तुम्हारे पास १० रुपयों के कुछ नोट और १ रुपये के कुछ सिक्के हैं । तुम १२५ रुपये देने वाले हो । तुम उन्हें कैसे दोगे ?

सुधीर : मैं १० रुपये के १२ नोट और १ रुपये के ५ सिक्के दूँगा । अत: मेरे द्‌वारा दिए गए सिक्कों तथा नोटों के अनुसार १२५ का अर्थ १२ दहाई ५ इकाई जैसा होगा ।

शिक्षिका : बिल्कुल सही । अजित, मानो कि तुम्हारे पास १०० रुपयों के कुछ नोट, १० रुपयों के कुछ नोट और १ रुपये के कुछ सिक्के हैं । तुम १२५ रुपये देने वाले हो तो तुम कैसे दोगे ?

अजित : मैं १०० रुपयों का १ नोट, १० रुपयों के २ नोट और १ रुपये के ५ सिक्के दूँगा । इस के अनुसार १२५ का अर्थ १ सैकड़ा, २ दहाई तथा ५ इकाई ऐसा होगा ।

शिक्षिका : अत: संख्यांकसमूह १२५ के तीन अलग-अलग अर्थ हैं । इन्हें ध्यान में रखो ।
१२५ = एक सौ पच्चीस इकाई
१२५ = बारह दहाई पाँच इकाई
१२५ = एक सैकड़ा, दो दहाई तथा पाँच इकाई
क्या अब तुम संख्यांकसमूह ४०८३ के अलग-अलग अर्थ बता सकते हो ?

सुधीर : इसका एक अर्थ 'चार हजार तिरासी इकाई' ऐसा होगा ।

अजित : इसका एक अन्य अर्थ 'चार सौ आठ दहाई, तीन इकाई' ऐसा होगा ।

मल्लिका : इसका एक और अर्थ 'चालीस सैकड़ा, आठ दहाई, तीन इकाई भी होगा ।

गौरी : और भी एक अर्थ 'चार हजार, शून्य सैकड़ा, आठ दहाई, तीन इकाई' होगा ।

शिक्षिका : ऐसे और भी अर्थ हम बता सकते हैं ।

स्वाध्याय

नीचे दिए गए संख्यांकसमूहों के विभिन्न अर्थ समझाओ और उन्हें लिखो ।

(१) ६७९   (२) ८६३   (३) ६७४५   (४) ९८५६   (५) १०२७

संलग्न पिछली तथा संलग्न अगली संख्याएँ बताना

मेरी : नंदू क्या तुम १२० की संलग्न अगली संख्या बता सकते हो ?

नंदू : १२१

मेरी : नंदू, क्या तुम १९९९ के ठीक बादवाली अगली संख्या बता सकते हो ?

नंदू : नहीं, मैं नहीं बता सकता ।

शिक्षिका : प्रत्येक संलग्न अगली संख्या, पिछली संख्या से १ बड़ी होती है; जबकि संलग्न पिछली संख्या इस संख्या से १ छोटी होती है ।

नंदू : अतः, १९९९ में १ जोड़ने पर संलग्न अगली संख्या १९९९ + १ = २००० मिलेगी ।

शिक्षिका : उसी प्रकार दी गई संख्या में से १ घटाने पर संलग्न पिछली संख्या मिलती है ।

नंदू : अतः १९९९ की संलग्न पिछली संख्या १९९८ है ।

स्वाध्याय

संलग्न पिछली संख्या तथा संलग्न अगली संख्या लिखकर सारणी पूर्ण करो ।

संख्याएँ	संलग्न पिछली संख्या	संलग्न अगली संख्या	संख्याएँ	संलग्न पिछली संख्या	संलग्न अगली संख्या
२९९९			१०००		
३८००			३४५९		
७७९८			५००९		

संख्याओं का छोटा-बड़ा होना (क्रमसंबंध)

शिक्षिका : संख्याओं के छोटा-बड़ा होने के संबंध में तुम क्या सीख चुके हो ?

नंदू : तीन अंकवाली कोई भी संख्या, दो अंकवाली किसी भी संख्या से बड़ी होती है ।

प्रिया : यदि दोनों संख्याएँ तीन अंकवाली हों तो जिसके सैकड़े के स्थान का अंक बड़ा होता है, वह संख्या बड़ी होती है ।

शिक्षिका : अब चार अंकवाली संख्याओं का छोटा-बड़ा होना कैसे निर्धारित करोगे ?

प्रिया : तीन अंकवाली कोई भी संख्या, चार अंकवाली संख्या से छोटी ही होगी !

नंदू : यदि दोनों संख्याएँ चार अंकवाली हों तो जिसके हजार के स्थान का अंक बड़ा, वह संख्या बड़ी । हजार के स्थानवाले अंक समान हों तो सैकड़े के स्थानवाले अंक देखकर निर्धारित करेंगे । यदि वे भी समान हों तो दहाई के स्थान के अंकों के आधार पर छोटा-बड़ा होना निर्धारित करेंगे । जैसे, ४५६७ > ४३२५ ।

स्वाध्याय

नीचे दी गई सारणी पूर्ण करो ।

संख्याएँ	छोटी संख्या	बड़ी संख्या	संख्याएँ	छोटी संख्या	बड़ी संख्या
२१२३, १९६८			९९९९, ९९९		
२३४२, २४३२			६०७०, ८०७९		
९५४२, ९५४९			५९७८, ७५३९		

बढ़ता–घटता क्रम

किसी दुकान में विभिन्न कंपनियों की अलमारियाँ बेची जाती हैं । एक अलमारी का मूल्य ४,७५० रुपये, दूसरी अलमारी का मूल्य ६,२०० रुपये तथा तीसरी अलमारी का मूल्य ३,९८० रुपये है ।

अलमारी का सबसे अधिक मूल्य : ₹ ६२००

अलमारी का सबसे कम मूल्य : ₹ ३९८०

अलमारियों के मूल्य बढ़ते क्रम में : ३९८० < ४७५० < ६२००

अलमारियों के मूल्य घटते क्रम में : ६२०० > ४७५० > ३९८०

संख्याओं २९८०, ३००० तथा ५१२५ को बढ़ते तथा घटते क्रम में लिखो ।

बढ़ता क्रम : २९८० < ३००० < ५१२५ घटता क्रम : ५१२५ > ३००० > २९८०

स्वाध्याय

नीचे दी गई संख्याओं को बढ़ते तथा घटते क्रम में लिखो ।

(१) २३४५, २३४९, २३४७ (२) ६०००, ५०७०, ३००७ (३) ५००७, २००७, ३००७

(४) १००९, १९००, १०९० (५) ४१८०, ६१८०, ७१८० (६) २९१७, ३४५६, १३५७

सम संख्या तथा विषम संख्याएँ

शिक्षिका : आओ हम फूलों के दो–दो के समूह बनाकर देखें ।
मायकेल, तुम ४ फूल लो, परमजीत तुम ५, रेश्मा तुम ६, माधुरी तुम ८ और मनीषा तुम ९ फूल लो । यह भी बताना है कि समूह बनाने पर कितने फूल बच जाते हैं ।

मायकेल : मेरे पास के चार फूलों से दो समूह बने । एक भी फूल नहीं बचा ।

परमजीत : मेरे पास के पाँच फूलों से दो समूह बने परंतु एक फूल बच गया ।

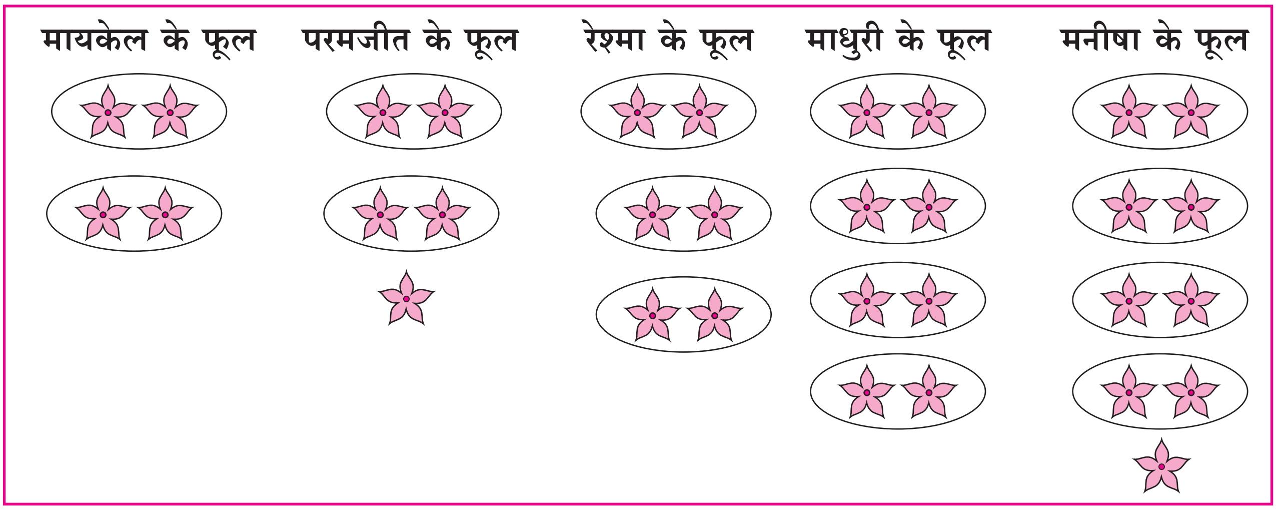

शिक्षिका : जिनके फूलों के दो–दो के समूह बने और एक भी फूल बचा नहीं, उनके फूलों की संख्या एक समूह में लिखो । समूह बनाते समय १ फूल बच जाता है फूलों की ऐसी संख्याओं को अलग समूह में लिखो ।

एक भी फूल न बचने वाली संख्याओं का समूह: ४, ६, ८

१ फूल बचता है, फूलों की ऐसी संख्याओं का समूह: ५, ९

शिक्षिका : दोनों समूहों की संख्याएँ ध्यान से देखो । इनमें कौन–सा अंतर दिखाई देता है ।

रेश्मा : संख्याओं ४, ६, ८ में २ से भाग देने पर शेषफल कुछ नहीं बचता और ५ तथा ९ में २ से भाग देने पर शेषफल १ बचता है ।

शिक्षिका : जिन संख्याओं में २ से भाग देने पर शेषफल कुछ नहीं बचता, उन संख्याओं को सम संख्या कहते हैं । जैसे, ४, ६, ८ सम संख्याएँ हैं ।

जिन संख्याओं में २ से भाग देने पर शेषफल सदैव १ बचता है, उन संख्याओं को विषम संख्या कहते हैं । जैसे, ५ तथा ९ विषम संख्याएँ हैं ।

◆ अब नीचे दी गई संख्याओं के बराबर वस्तुएँ (कंकड़, मनके आदि) लेकर दो–दो के समूह बनाकर निर्धारित करो कि ये सम संख्या तथा विषम संख्या में से क्या हैं ।

१२, ११, १०, २३, २७, ३४, २५, ३६, ३९, ४१, ४५, ५२, १६, १७, १९, २८

- सम संख्याओं के समूह में लिखी गई संख्याओं की इकाई के स्थान के अंक लिखो ।
- विषम संख्याओं के समूह में लिखी गई संख्याओं की इकाई के स्थान के अंक लिखो ।

◆ सम अथवा विषम संख्याओं की इकाई के स्थान पर सदैव कौन–से अंक आते हैं, उन्हें देखो ।

सम संख्या की इकाई के स्थान के अंक : ०, २, ४, ६, ८

विषम संख्या की इकाई के स्थान के अंक : १, ३, ५, ७, ९

◆ इकाई के स्थान का अंक देखकर निर्धारित करो कि नीचे दी गई संख्याएँ सम हैं या विषम ।

३५, ६७, ३२, ३०, ४३, ३४, ५१, ५६, ८८, ७९

अंतरराष्ट्रीय संख्यांक

सुरेश : अरे विजया, सबेरे मेरे ध्यान में एक बात आई । हमारे पास के सभी नोटों पर छपी हुई संख्याएँ अंग्रेजी में हैं ।

विजया : सही बात है ! परंतु ऐसा क्यों सुरेश ? हम लोग तो संख्याएँ अलग प्रकार से लिखते हैं ।

सुरेश : मेरे सामने भी तो यही प्रश्न है । चलो हम अपनी बहन जी से पूछें ।

बहन जी, सभी नोटों पर लिखी गई संख्याएँ अंग्रेजी में ही क्यों होती हैं ?

विजया : और लगभग सभी वाहनों के नंबर भी ।

शिक्षिका : बहुत अच्छा ! सर्वप्रथम मैं तुम दोनों के निरीक्षण की प्रशंसा करती हूँ । मुझे पहले यह बताओ कि क्या तुममें से कोई अपने महाराष्ट्र को छोड़कर किसी दूसरे राज्य में गया है क्या?

विजया : जी हाँ बहन जी । मैं कर्नाटक में गई थी ।

शिक्षिका : वहाँ की दुकानों की पट्टियों की लिखावट को क्या तुम पढ़ सकी थी ?

विजया : नहीं ।

शिक्षिका : उसे पढ़ना हमें आता ही नहीं । इसका कारण यह है कि अक्षर लिखने की उनकी प्रणाली ही अलग है । इसी प्रकार अंक लिखने की उनकी प्रणाली भी अलग होती है ।

सुरेश : हाँ बहन जी । वे कैसे लिखते हैं ?

शिक्षिका : हम १, २, ३, ..., १० ऐसा लिखते हैं । इसे कन्नड़ में कैसे लिखते हैं, उसे देखो ।

೧ ೨ ೩ ೪ ೫ ೬ ೭ ೮ ೯ ೧೦

इसलिए नोटों पर यदि १, २, ३ जैस अंक लिखे जाएँ तो उन्हें वे कैसे समझेंगे ?

विजया : और यदि उनके जैसा लिखें तो उसे हम नहीं समझ पाएँगे ।

शिक्षिका : सही कहा । अत: नोटों पर ऐसी संख्या लिखी जानी चाहिए कि उन्हें भारत के सभी लोग समझ सकें । इतना ही नहीं, बल्कि दूसरे देश से अपने देश में आने वालों को भी वह समझ में आए ।

सुरेश : यदि हम दूसरे देश में जाएँ तो हमें भी वहाँ के नोटों पर लिखी गई संख्या जाननी पड़ती है ।

शिक्षिका : बिल्कुल ठीक ! यही कारण है कि विश्व के सभी देशों ने ऐसा निर्धारित किया है कि नोटों का मूल्य, उनका क्रमांक; रेलगाड़ी, बस तथा विमान इत्यादि के टिकटों के क्रमांक, ये सब अंग्रेजी अंकों में ही छापे जाने चाहिए ।

विजया : इसका अर्थ यह है कि हमारे देश की बसों, रिक्शों इत्यादि के क्रमांक अंग्रेजी में ही लिखे होने चाहिए । अब आया ध्यान में !

शिक्षिका : है ना ! यदि अंग्रेजी के अंकों का उपयोग करके संख्या लिखी जाए तो उसे विश्व के सभी लोग समझते हैं । इसीलिए अंग्रेजी अंकों को अब 'अंतरराष्ट्रीय अंक' कहते हैं । ये अंक तुम्हें ज्ञात हैं । अगली कक्षाओं में तुम्हें इन्हीं अंकों का ही उपयोग करना है ।

देवनागरी संख्यांक	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९
अंतरराष्ट्रीय संख्यांक	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9

देवनागरी संख्यांकों में	४९७	२३५	४३७	५६८	६७२	७९९	८००	९१२
अंतरराष्ट्रीय संख्याकों में	497	235	437	568	672	799	800	912

संख्याओं का वाचन तथा उनका अक्षरों में लेखन

संख्या 4536 का वाचन 'चार हजार पाँच सौ छत्तीस' करते हैं ।

संख्या 27,105 का वाचन 'सत्ताईस हजार एक सौ पाँच' करते हैं ।

संख्या 64,089 का वाचन 'चौंसठ हजार नवासी' करते हैं ।

स्वाध्याय

१. नीचे दी गई संख्याओं का वाचन करो तथा इन्हें अक्षरों में लिखो ।

(१) 20,504 (२) 97,487 (३) 30,008 (४) 4,879 (५) 6,405 (६) 893

२. अंतरराष्ट्रीय संख्यांक तुमने और कहाँ-कहाँ देखे हैं, लिखो ।

३. अंतरराष्ट्रीय अंकों में लिखे हुए वस्तुओं के मूल्य देखो तथा उनका वाचन करो ।